पुजारा का फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर

इस मैच से पहले तक अगर पुजारा के फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर की बात करें तो वो बेहद शानदार रहा है। उन्होंने अब तक खेले 227 मैचों की 376 पारियों में 51.05 की औसत से कुल 17,155 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 51 शतक और 70 अर्धशतक लगाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर 352 रन रहा है।

इंग्लैंड में धूम मचा रहे चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा इन दिनों इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं और ससेक्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पुजारा वहां पर गजब की फार्म में नजर आ रहे हैं और एक बार फिर से उन्होंने शतकीय पारी खेली। इस बार उन्होंने वोरसेस्टरशर के खिलाफ ये कमाल किया। इससे पहले भी पुजारा ने पिछले मैच में डर्बीशर के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और नाबाद 201 रन बनाए थे। हालांकि डर्बीशर के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में 6 रन बनाए थे, लेकिन दूसरी पारी में नाबाद 201 रन बनाकर वो फार्म में लौटे थे और उनका ये फार्म अगले मैच में भी बरकरार रहा और उन्होंने लगातार दूसरा शतक जड़ दिया। वोरसेस्टरशर के खिलाफ पुजारा ने अपना शतक चौका लगाकर पूरा किया। उन्होंने 184 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौकों की मदद से ये शतक पूरा किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये पुजारा का 52वां शतक था। पुजारा के खराब फार्म की वजह से उन्हें भारतीय टेस्ट टीम से ड्राप कर दिया गया था और श्रीलंका के खिलाफ वो भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं थे।

न्यूज डायरी

प्रवीण आमरे पर लगा एक मैच का बैन, मिली अपनी गलती की सजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान अपने व्यवहार की सजा मिल गई है। पंत को आईपीएल के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। पंत पर मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर खेला गया था। पंत ने अपने लेवल 2 के अपराध को स्वीकार कर लिया है। दिल्ली के कप्तान पर आर्टिकल 2.7 का दोषी पाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स के ही शार्दुल ठाकुर पर मैच फीसदी का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे पर भी मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगा है। साथ ही उन पर एक मैच का बैन भी लगाया गया है। आमरे पर आर्टिकल 2 और 2.2 का उल्लंघन का आरोप था जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मैच का आखिरी ओवर कर रहे ओबे मैकॉय की तीसरी गेंद को अंपायर ने 'नो–बॉल' नहीं दिया था।

नो–बॉल विवाद पर पंत के रवैये पर भड़के केविन पीटरसन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच नो–बॉल पर फैसले को लेकर काफी विवाद हुआ। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी ओवर में 36 रन चाहिए थे। यह लगभग असंभव का लक्ष्य था। दिल्ली की उम्मीदें रोवमैन पॉवेल की बल्लेबाजी ने परवान चढ़ानी शुरू कर दीं। उन्होंने ओवर की पहली तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए। तीसरी गेंद एक हाई फुलटॉस थी लेकिन मैदानी अंपायर्स ने फैसला किया कि यह कमर से नीचे थी। इसके बाद दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने जो किया उसे देखकर क्रिकेट के कई जानकार काफी हैरान हैं। पंत ने अंपायर्स के फैसले से नाराज होकर अपने बल्लेबाजों को मैदान से बाहर आने का इशारा किया था। उन्होंने सहायक कोच प्रवीण आमरे को मैदान पर भेजकर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। मैच आखिर राजस्थान रॉयल्स 15 रन से जीत गई लेकिन पंत के इस रवैये की काफी आलोचना हो रही है।

विराट कोहली का छह साल पुराना रिकॉर्ड है खतरे में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। एशेज के लिए जब इंग्लैंड की टीम चुनी गई तो उसमें जोस बटलर का नाम नहीं था। उस सीरीज में इंग्लैंड का क्या हाल हुआ यह बताने की जरूरत नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 4–1 से सीरीज जीती थी। लेकिन चार महीने बाद बटलर नए अवतार में हैं। बल्ला हल्ला बोल रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में दनादन रन बरसा रहा है। कोई ऐसा नहीं नजर नहीं आ रहा जो बटलर के हमले को रोक पाए। बटलर बदल चुके हैं और हालात भी। गुलाबी जर्सी में वह सफेद गेंद पर ऐसा प्रहार कर रहे हैं कि विपक्षी कप्तानों के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगी हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने शानदार शतक लगाया। इस सीजन में तीसरा। सात मुकाबलों में बटलर 491 रन बना चुके हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 81.83 का है। और अब ऐसा लग रहा है कि विराट कोहली का छह साल पुराना रिकॉर्ड खतरे में है।

जोस बटलर ने तोड़ा शेन वाटसन का रिकार्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। जोस बटलर ने आइपीएल में अपने चार शतक 71 पारियों में लगाए और शेन वाटसन का रिकार्ड तोड़ दिया। दरअसल आइपीएल में सबसे तेज गति से चार शतक लगाने के मामले में क्रिस गेल पहले नंबर पर हैं और उन्होंने ये कमाल सिर्फ 50 पारियों में किए थे। वहीं बटलर से पहले वाटसन दूसरे नंबर पर थे जिन्होंने 113 पारियों में कुल चार शतक लगाए थे, लेकिन अब बटलर दूसरे और वाटसन तीसरे नंबर पर आ गए। आइपीएल में सबसे तेज गति से चार शतक लगाने के मामले में चौथे नंबर पर डेविड वार्नर हैं जिन्होंने 117 पारियों में ये कमाल किया था तो वहीं विराट कोहली ने 128 पारियों में ये उपलब्धि अपने नाम की थी।

जिस तरह की अंपायरिंग हो रही है वह बहुत निराशाजनक

क्रिकेट

डीसी और आरआर के बीच मुकाबले में अंपायर का एक फैसला रहा विवाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह आईपीएल 2022 में अंपायरिंग से बहुत निराश हैं। उन्होंने कहा कि सारी दुनिया इंडियन प्रीमियर लीग देखती है और अगर अंपायरिंग ऐसी होगी तो हमारा मजाक बनेगा। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच शुक्रवार को हुए मुकाबले में अंपायर का एक फैसला काफी विवाद में रहा। मैच के आखिरी ओवर में ओब्ड मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर रॉवमैन पॉवेल ने सिक्स लगाए थे। तीसरी गेंद को लेकर विवाद हुआ। यह गेंद एक फुल टॉस थी और इसी को लेकर असल में विवाद हुआ। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों का मानना था कि यह नो–बॉल है जबकि अंपायर्स की राय इस पर अलग थी।

अंपायरिंग विवाद पर हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में कहा कि यह बहुत खराब रही है। उन्होंने कहा, आईपीएल बहुत बड़ा टूर्नामेंट है हमें इसमें अंपायरिंग के स्तर का ख्याल रखना चाहिए। सारी दुनिया इस टूर्नामेंट को देखती है। यह बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। कई बार ऐसी गेंदों को वाइड दे दिया जाता है जो वाइड होती भी नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी हरभजन की बात से सहमति जताई। उन्होंने शुक्रवार की विवादास्पद गेंद के बारे में कहा, यह नो–बॉल थी। यह गेंद नीचे नहीं आ रही थी। यह पूरी तरह से कमर से ऊपर थी। यह नो–बॉल ही थी। अंपायरों पर निगरानी रखनी चाहिए।

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन ने कहा, जिस तरह की अंपायरिंग हो रही है वह बहुत निराशाजनक है। बीसीसीआई को इस पर कुछ करना चाहिए। आईपीएल दुनिया का प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सब इसे देखते हैं तो इस तरह अंपायरिंग होगी तो हमारा मजाक बनेगा। पठान ने कहा, खिलाड़ियों के साथ–साथ अंपायरों की भी रैंकिंग होती है। लेकिन उन पर भी जुर्माना लगना चाहिए। जैसे मैच फीस आदि काटी जाए।

दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत पर मैच फीस का 100 प्रतिशत और शार्दुल ठाकुर पर 50 प्रतिशत का जुर्माना लगा है। वहीं, मैदान में आने की वजह से दिल्ली के कोच प्रवीण आमरे पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है।

पंत की हरकत से कोच भी नाराज, शेन वॉटसन बोले– यह बर्दाश्त नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वॉटसन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के आखिरी ओवर में जो कुछ हुआ टीम उसका समर्थन नहीं करती तथा खिलाड़ियों को अंपायरों का फैसला मानना चाहिए था और किसी का मैदान में जाना पूरी तरह 'अस्वीकार्य' है। राजस्थान की शुक्रवार को दिल्ली पर 15 रन की जीत के दौरान तब यह घटना घटी जब अंतिम ओवर में ओबेद मैकॉय की तीसरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल ने छक्का जड़ा। यह फुलटॉस थी जिसे दिल्ली की टीम नोबॉल देने की मांग कर रही थी।

ऐसे में नॉन स्ट्राइकर छोर पर

खड़े कुलदीप यादव ने अंपायर की तरफ इशारा करके आखिरी गेंद का रीप्ले देखने के लिए कहा क्योंकि वह कमर से ऊपर होने पर नोबॉल हो सकती थी। पॉवेल भी अंपायरों से बात करने लग गए लेकिन मैदानी अंपायरों ने कहा कि गेंद वैध थी। कप्तान ऋषभ पंत ने इसके बाद पॉवेल और कुलदीप से वापस लौटने के लिए कहा। इस बीच दिल्ली सहायक कोच प्रवीण आमरे मैदान पर चले गए। वॉटसन ने मैच के बाद कहा, 'देखिए, उस आखिरी ओवर में जो हुआ वह बहुत निराशाजनक था। दिल्ली कैपिटल्स अंतिम ओवर में जो कुछ हुआ उसका समर्थन नहीं करता है।' उन्होंने कहा, 'अंपायर का फैसला, चाहे वह सही हो या गलत, हमें स्वीकार करना होगा। किसी का मैदान पर चले जाना, यह स्वीकार्य नहीं है। यह कुल मिलाकर अच्छा नहीं हुआ।' दिल्ली कैपिटल्स को अंतिम ओवर में 36 रन चाहिए थे। पॉवेल ने मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर छक्के जड़ दिये थे। इस तरह से दिल्ली को अंतिम तीन गेंदों पर 18 रन चाहिए थे, लेकिन 15 मिनट की देरी से उनकी लय गड़बड़ा गयी और अगली तीन गेंदों पर केवल दो रन बने।

जोस बटलर निकले संजू सैमसन से आगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली राजस्थान रायल्स के ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर जिस अंदाज में इस सीजन में नजर आ रहे हैं उनका कोई जवाब विरोधी टीमों के पास तो नहीं दिख रहा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस लीग के 34वें मैच में उन्होंने 9 छक्के व 9 चौकों की मदद से 116 रन की पारी खेली। अपनी पारी में लगाए गए 9 छक्कों की मदद से बटलर ने टीम के कप्तान संजू सैमसन का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। राजस्थान के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में संजू सैमसन पहले नंबर पर थे और साल 2020 में उन्होंने कुल 26 छक्का लगाए थे, लेकिन अब जोस बटलर ने उन्हें पीछे छोड़ दिया और पहले स्थान पर आ गए। बटलर ने इस सीजन में अब तक कुल 32 छक्के लगाए हैं और राजस्थान की तरफ से आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में अव्वल नंबर पर आ गए हैं। वहीं साल 2008 में कुल 25 छक्के लगाकर यूसुफ पठान तीसरे नंबर पर हैं।